समूह के अन्य सदस्यों को प्राप्त जानकारी को अपनाते देखता है तो अधिक ग्रहणशील बन जाता है। जागरूकता अभियान समुदाय की जरूरतों (बल्कि जरूरतों के मुताबिक) पर आधारित होते हैं। आजकल जागरूकता अभियान पहले लक्ष्य क्षेत्र में कार्यक्रम के लिए मांग उत्पन्न करते हैं फिर जरूरतों और मांगों को पूरा करने के लिए कार्यक्रम की सुविधाओं को प्रदर्शित करते हैं। जागरूकता अभियान अधिकारियों के सामने धरना, विरोध प्रदर्शनों द्वारा असंतोष प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो सामाजिक कार्रवाई में उपयोग की जाने वाली रणनीति है। सावधानीपूर्वक डिजायन किए गए अनुसंधान पर आधारित एक सरल अभियान न्यूनतम संसाधनों के साथ भी अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल होता है।

आजकल फेसबुक, टिवटर, ब्लॉगस्पॉट्स, ईमेल और एसएमएस, जागरूकता अभियानों और नेटवर्किंग के लिए नियोजित सबसे प्रभावी और कम लागत वाली रणनीतियों में से एक है। जागरूकता अभियान और वकालत के हस्तक्षेप दोहरे उद्देश्य को पूरा करते हैं और अक्सर एक–दूसरे के पूरक होते हैं। संसाधन जुटाने के साथ जागरूकता अभियान के संयोजन के कई फायदे हैं। यह सार्वजनिक संबंधों को बढ़ावा देता है और सामाजिक कार्य एजेंसी की विश्वसनीयता सुनिश्चित करता है। शक्ति आधारित पद्धति कुछ ऐसी है जो वास्तव में किसी सामाजिक कार्यकर्ता को एक पेशेवर के रूप में अभ्यास करने के लिए मार्गदर्शन करती है। यह सेवार्थियों के लिए उत्तम परिणाम लाने के लिए अन्य सामाजिक कार्य विधियों के साथ जुड़ी हुई हैं और इसका अभ्यास किया जाता है।

6.14 कुछ उपयोगी पुस्तकें

1. सैयर्स, रिचर्ड (2006) प्रिंसिपल्स ऑफ अवेयरनेस रेज़िंग फॉर इंफॉरमेशन लिटरेसी, ए केस स्टडी, थाईलैंड : कम्युनिकेशन इंफॉरमेशन, यूनेस्को.

2. थॉमस, ग्रेशियस (2010). एक्जिस्टिंग ट्रेंड्स इन काउंसिलिंग सर्विसेज इन इंडिया. इन जी. थॉमस (इ डी). सबस्टांस सब्यूज़ एंड काउंसलिंग : इग्नू न्यू दिल्ली.

3. थॉमस ग्रेशियस (इ. डी. 2010). केसवर्क एंड काउंसलिंग : वर्किंग विथ इंडिविजुअल्स, न्यू दिल्ली : इग्नू.

4. पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन रिट्रायव्ड फ्रॉम

   http://www.legalblog.in/2011/02/public - interest_litigation_definition.

   html#sthash.gyVLLfUN.dpuf on 27/11/2014.